

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-खण्ड 3-उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 206] No. 206] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 1, 2015/चैत्र 11,1937

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 1, 2015/CHAITRA 11, 1937

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 2015

सं. 22/2015 - सीमा-शुल्क

सा.का.िन. 258 (अ).- सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) के तहत् प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, इस बात से संतुष्ट होते हुए कि ऐसा करना जनहित में आवश्यक है, उन सामग्रियों को, जिनका आयात विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 4.18 (i) के साथ पठित पैराग्राफ 4.03 की दृष्टि से प्रक्रिया पुस्तिका के पैराग्राफ 4.05 के अनुसार निषिद्ध मद के निर्यात के लिए जारी एक अग्रिम प्राधिकार के प्रति (एतश्मिन पश्चात जिसे उक्त प्राधिकार के रूप में संदर्भित किया गया है) भारत में किया गया हो एतद्वारा, उस पर लगने वाले उस सम्पूर्ण सीमा शुल्क से जो सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, (51का 1975) 1975 (एतश्मिन पश्चात जिसे सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के रूप में संदर्भित किया गया है) की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट है और उस सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क, रक्षोपाय शुल्क, संक्रमणकालीन उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क और प्रतिपाटन शुल्क जो कि उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा क्रमश 3, 8ख, 8ग और 9क के अंतर्गत लगाये गए हैं, निम्नलिखित शर्तों के अधीन छूट प्रदान करती है, यथा:-

- (i) कि उक्त प्राधिकार, जिसे कि क्षेत्रीय प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया हो, घटाने के लिए निकासी के वक्त सीमा शुल्क के यथोचित अधिकारी के समक्ष प्रस्तृत किया जाता है;
- (ii) कि उक्त प्राधिकार में आयातकर्ता का नाम और पता, आयातित माल का विवरण और उसकी अन्य विशिष्टताएं तथा परिणामी उत्पाद का विवरण और उसके निर्यात की मात्रा और मूल्य उल्लिखित होना चाहिए;

1516 GI/2015 (1)

- (iii) कि आयातित माल, उक्त प्राधिकार में उल्लिखित विवरण तथा अन्य विशिष्टताओं, जहां लागू हो, के अनुरूप हों और उनका मूल्य और मात्रा उक्त प्राधिकार में विनिर्दिष्ट सीमा के भीतर हो;
- (iv) कि निर्यात अधिसूचित निश्चित निविष्टि उत्पादन मानदण्ड (एसआईओएन) के अंतर्गत या प्रक्रिया पुस्तिका के पैरा 4.06 में पूर्व निर्धारित मानदण्डों के अंतर्गत पूर्व आयात शर्तों के अधीन किया जाता हो;
- (v) कि आयातकर्ता आयातित माल की निकासी के समय ऐसी जमानत या प्रतिभूति से युक्त एक बंधपत्र निष्पादित करता है जो कि उस रूप या उस राशि के रूप में होगी जिसको कि उपायुक्त सीमा-शुल्क या सहायक आयुक्त सीमा-शुल्क, जैसी भी स्थिति हो, के द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए जिसके द्वारा वह अपने को इस बात से प्रतिबद्ध करेगा कि उस आयातित माल, जिसके बारे में इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुपालन नहीं हो पाता है पर लगने वाले निहित छूट के बिना शुल्क के बराबर की राशि, उस पर 15% वार्षिक की दर से उक्त माल के निकासी की तारीख से लगने वाले ब्याज के समेत, का भगतान करेगा;
- (vi) कि उक्त प्राधिकार के अंतर्गत कोई आयात या निर्यात दायित्व के पूरा करने के लिए किया जाने वाला उत्तरवर्ती निर्यात केवल उन्हीं समुद्री बंदरगाहों या विमानपत्तनों या इनलैंड कंटेनर डिपों या भू सीमा शुल्क स्टेशनों से किया जाता है जो निम्न सारणी में विनिर्दिष्ट है:-

सारणी

क्र.सं.	ईडीआई युक्त पत्तन/आईसीडी/ एलसीएस	अवस्थिति
1	समुद्री बंदरगाह	बेदी (रोजी-जामनगर सिहत) चेन्नई, कोचीन, दहेज, काकीनाडा, कांडला, कट्टुपल्ली (तिमिलनाडु), कोलकाता, कृष्णापट्टनम, एन्नोर (तिमिलनाडु), कराईकल (संघ राज्य क्षेत्र के पुडुचेरी), मगडाल्ला, मंगलौर, मर्मागोवा, मुंबई, मुंद्रा, नागापट्टिनम, न्हावाशेवा, पारादीप, पीपावाव, तूतीकोरिन, विशाखापत्तनम
2	विमानपत्तन	अहमदाबाद, बेंगलुरु, कालीकट, चेन्नई, कोचीन, कोयंबटूर, दिल्ली, हैदराबाद, इंदौर, जयपुर, कोलकाता, मुंबई, त्रिवेंद्रम, विशाखापट्टनम.
3	इनलैंड कंटेनर डिपो	आगरा, अहमदाबाद, मेलपक्कम गांव (अरक्कोणम तालुक, जिला वेल्लौर), बेंगलुरु, भीलवाड़ा, भिवाड़ी, भुसावल, छेत्तीपाल्यम (तिमलनाडु), छेहाड़ता (अमृतसर), कोयंबतूर, दादरी, दौलताबाद (मालीवाड़ा), दिल्ली, डिगही (पुणे), दुर्गापुर (निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क), फरीदाबाद, गर्ही हरसारु, गुवाहाटी, हैदराबाद, ईरूगुर गांव (तिमलनाडु), इरुनगाट्टुकोट्टाई (एसआईपीसीओटी औद्योगिक पार्क, काट्टाराम्बक्कम गांव, श्रीपेरुमबुदुर तालुक, कांचीपुरम जिला, तिमलनाडु), जयपुर, जालंधर, जोधपुर, कानपुर, करूर, कोटा, लोनी (जिला गाजियाबाद), लुधियाना, मंडीदीप (जिला रायसेन), मर्रीपल्लेम गांव (जिला गुंटूर इडलापाडु तालुका में), मिराज, मुरादाबाद, नागपुर, नासिक, पाटली (गुड़गांव), पीतमपुर (इंदौर), रायपुर, रेवाड़ी, तलेगांव (जिला पुणे), तिरुपुर, तूतीकोरिन, वडोदरा, वालुज (औरंगाबाद)
4	भू सीमा-शुल्क स्टेशन	जोगबनी, पेट्रापोल, रक्सौल

(vii) कि निर्यात दायित्व, जैसा कि उक्त प्राधिकार में विनिर्दिष्ट है, को (मूल्य और मात्रा दोनों ही रूपों में) आयातित माल के निकासी की तारीख से नब्बे दिन के भीतर ऐसे परिणामी उत्पादों (उक्त प्राधिकार में विनिर्दिष्ट) का निर्यात करके पूरा कर दिया जाता है-

- (क) जिनका कि उक्त प्राधिकार के एवज में आयातित माल का प्रयोग करते हुए भारत में विनिर्माण किया गया हो; और
- (ख) जिनके बारे में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 18 (विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री पर भुगतान किए गए शुल्क में छूट) या नियम 19 के उप-नियम (2) के अंतर्गत सुविधाएं न ली गई हों;
- (viii) कि उक्त प्राधिकार धारक निर्यात दायित्व को प्रतिपादित मूल्य संवर्धन के साथ पूरा करता है;
- (ix) कि प्रक्रिया पुस्तिका के पैरा 4.49 के प्रावधानों में निहित कोई बात उक्त प्राधिकार के संबंध में लागू नहीं होगी;
- (x) कि प्राधिकार धारक निर्यात के समय इस आशय का वचनपत्र देता है कि परिणामी उत्पाद, जिसका कि उक्त प्राधिकार के एवज में निर्यात किया जा रहा हो, जो कि अन्यथा निर्यात के लिए निषिद्ध है, का विनिर्माण उस सामग्री से किया गया है जिसका कि उक्त प्राधिकार के अंतर्गत पहले ही आयात किया गया हो तथा उक्त वचनपत्र में उक्त प्राधिकार के अंतर्गत किए गए आयात और निर्यात का ब्यौरा दिया गया हो;
- (xi) कि उक्त प्राधिकर का हस्तांतरण नहीं किया जाएगा और आयातित सामग्री वास्तविक उपयोगकर्ता शर्त के अधीन होगी और उसका किसी भी प्रयोजन या किसी भी उपाय से विक्रय या हस्तांतरण नहीं किया जाएगा यहां तक कि जॉब कार्य के लिए भी नहीं;
- (xii) कि आयातकर्ता निर्यात दायित्व को पूरा करने की अवधि की समाप्ति के 60 दिन के भीतर या ऐसी अवधि के भीतर जिसके लिए उपायुक्त, सीमा-शुल्क या सहायक आयुक्त, सीमा-शुल्क, जैसी भी स्थिति हो, अनुमित दे उपायुक्त सीमा-शुल्क या सहायक आयुक्त, सीमा-शुल्क, जैसी भी स्थिति हो के संतृष्टि के लिए निर्यात दायित्व पूरा किये जाने का साक्ष्य प्रस्तुत करता है।
- 2. जहां कि, उक्त माल दोषपूर्ण या प्रयोग के लिए अनुपयुक्त पाया जाता है तो उक्त माल को इसकी क्लियरेंस की तारीख से 30 दिन के भीतर या ऐसी अवधि तक जैसा कि आयुक्त, सीमा शुल्क अनुमित दे जो कि निर्धारित अवधि से अधिकतम 30 दिन और अधिक हो सकती है, के भीतर विदेशी आपूर्तिकर्ता को वापस निर्यात किया जा सकता है:

बशर्ते कि, उस समय उपायुक्त, सीमा-शुल्क या सहायक आयुक्त, सीमा-शुल्क, जैसी भी स्थिति हो, इस बात से संतुष्ट हो कि वापस निर्यात किया जाने वाला माल वही है जिसका कि आयात किया गया था। स्पष्टीकरण – इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ, -

- (I) "विदेश व्यापार नीति" से अभिप्राय विदेश व्यापर नीति, 2015-2020 से है जिसका प्रकाशन भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने अधिसूचना सं. 01/2015-2020, दिनांक 1 अप्रैल, 2015 समय-समय पर यथा संशोधित, के द्वारा किया है;
- (II) "प्रक्रिया पुस्तिका " से अभिप्राय प्रक्रिया पुस्तिका, 2015 -2020 से है जिसका प्रकाशन भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सार्वजनिक सूचना सं. 01/2015-2020, दिनांक 1 अप्रैल, 2015 समय-समय पर यथा संशोधित, के द्वारा किया है;
- (।।।) ''विनिर्माण'' का वही अभिप्राय है जो विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 9.31 में दिया गया है।
- (IV) '''सामग्री'' से अभिप्राय ऐसे कच्चे माल, उपभोग योग्य माल, ईंधन और पैकेजिंग सामग्री से है जिसकी जरूरत परिणामी उत्पाद के विनिर्माण में होती है;
- (V) ''क्षेत्रीय प्राधिकारी'' से अभिप्राय विदेश व्यापार महानिदेशक से है जिसकी नियुक्ति विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) की धारा 6 के अंतर्गत की जाती है या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी ऐसे अधिकारी से भी है जिसको कि उसने उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्राधिकार, ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप समेत, जारी करने के लिए प्राधिकृत किया होता है।

[फा.सं.605/55/2014-डी बी के] संजय कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st April, 2015

No. 22/2015 - Customs

G.S.R. 258 (E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts materials imported into India against an Advance Authorisation issued in terms of paragraph 4.03 read with paragraph 4.18 (i) of the Foreign Trade Policy meant for export of a prohibited item in terms of paragraph 4.05 of the Handbook of Procedures (hereinafter referred to as the said authorisation) from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 to 1975) (hereinafter referred to as Customs Tariff Act) and from the whole of the additional duty, safeguard duty, transitional product specific safeguard duty and anti-dumping duty leviable thereon, respectively, under Sections 3, 8B, 8C and 9A of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:-

- (i) that the said authorisation, issued by the Regional Authority, is produced before the proper officer of customs at the time of clearance for debit;
- (ii) that the said authorisation bears the name and address of the importer, the description and other specifications of the imported material and the description, quantity and value of exports of the resultant product;
- (iii) that the imported material corresponds to the description and other specifications, where applicable, mentioned in the said authorisation and the value and quantity thereof are within the limits specified in the said authorisation;
- (iv) that the export is made subject to pre-import condition under notified Standard Input Output Norms (SION) or under prior fixation of norms in terms of Para 4.06 of Handbook of Procedures;
- (v) that the importer at the time of clearance of the imported materials executes a bond with such surety or security and in such form and for such sum as may be specified by the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, binding himself to pay on demand an amount equal to the duty leviable, but for the exemption contained herein, on the imported materials in respect of which the conditions specified in this notification are not complied with, together with interest at the rate of fifteen per cent. per annum from the date of clearance of the said materials;
- (vi) that the imports under the said authorisation and the subsequent exports for fulfilling the export obligation are undertaken only through the seaports or airports or Inland Container Depots or Land Customs Stations which are specified in the Table below:-

TABLE

S. No.	EDI- enabled Port/ ICD/LCS	Located at
1.	Seaport	Bedi (including Rozi-Jamnagar), Chennai, Cochin, Dahej, Kakinada, Kandla, Kattupalli (Tamil Nadu), Kolkata, Krishnapatnam, Ennore (Tamil Nadu), Karaikal (Union territory of Puducherry), Magdalla, Mangalore, Marmagoa, Mumbai, Mundra, Nagapattinam, Nhava Sheva, Paradeep, Pipavav, Tuticorin, Visakhapatnam
2.	Airport	Ahmedabad, Bengaluru, Calicut, Chennai, Cochin, Coimbatore, Delhi, Hyderabad, Indore, Jaipur, Kolkata, Mumbai, Trivandrum, Visakhapatnam

S. No.	EDI- enabled Port/ ICD/LCS	Located at
3.	Inland Container Depot	Agra, Ahmedabad, Melpakkam Village (Arakkonam Taluk, Vellore District), Bengaluru, Bhilwara, Bhiwadi, Bhusawal, Chettipalayam (Tamil Nadu), Chheharata (Amritsar), Coimbatore, Dadri, Daulatabad (Maliwada), Delhi, Dighi (Pune), Durgapur (Export Promotion Industrial Park), Faridabad, Garhi Harsaru, Gauhati, Hyderabad, Irugur Village (Tamil Nadu), Irungattukottai (SIPCOT Industrial Park, Kattrambakkam Village, Sriperumbudur Taluk, Kanchipuram District, Tamil Nadu), Jaipur, Jallandhar, Jodhpur, Kanpur, Karur, Kota, Loni (District Ghaziabad), Ludhiana, Mandideep (District Raisen), Marripalem Village (in Edlapadu Taluk of District Guntur), Miraj, Moradabad, Nagpur, Nasik, Patli (Gurgaon), Pitampur (Indore), Raipur, Rewari, Talegaon (District Pune), Tirupur, Tuticorin, Vadodara, Waluj (Aurangabad).
4.	Land Customs Station	Jogbani, Petrapole, Raxaul

- (Vii) that the export obligation as specified in the said authorisation (both in value and quantity terms) is discharged within ninety days from the date of clearance of imported materials by exporting the resultant product (specified in the said authorisation),-
 - (a) which is manufactured in India using the material imported against the said authorisation; and
 - (b) in respect of which the facility under rule 18 (rebate of duty paid on materials used in manufacture) or sub-rule (2) of rule 19 of the Central Excise Rules, 2002 has not been availed;
- (viii) that the Authorisation Holder fulfills the export obligation, including the stipulated value addition;
- (ix) that nothing contained in the provisions of Para 4.49 of Handbook of Procedures shall be applicable in relation to the said authorisation;
- (x) that at the time of export the authorisation holder gives an undertaking to the effect that the resultant product, being exported against the said authorisation, which is otherwise prohibited for export, has been manufactured from the material already imported under the said authorisation and the said undertaking contains the details of the imports and exports made under the said authorisation;
- (xi) that the said authorisation shall not be transferred and the imported material shall be subject to actual user condition and shall not be sold or transferred for any purpose, or by any means, including job work;
- (xii) that the importer produces evidence of discharge of the export obligation to the satisfaction of the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, within a period of sixty days of the expiry of period allowed for fulfillment of export obligation, or within such extended period as the said Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, may allow.
- 2. Where the materials are found defective or unfit for use, the said materials may be re-exported back to the foreign supplier within thirty days from the date of clearance of the said material or such extended period, not exceeding a further period of thirty days, as the Commissioner of Customs may allow:

Provided that at the time of re-export the materials are identified to the satisfaction of the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, as the materials which were imported. *Explanation.* – For the purpose of this notification, -

- (I) "Foreign Trade Policy" means the Foreign Trade Policy, 2015-2020, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide notification No. 01/2015-2020, dated the 1st April, 2015 as amended from time to time;
- (II) "Handbook of Procedures" means the Handbook of Procedures 2015-20 published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide public notice No. 01/2015-2020, dated the 1st April, 2015 as amended from time to time;
- (III) "Manufacture" has the same meaning as assigned to it in paragraph 9.31 of the Foreign Trade Policy;

(IV)"Materials" means raw materials, consumables, fuel and packaging materials required for manufacturing of the resultant product:

(V) "Regional Authority" means the Director General of Foreign Trade appointed under Section 6 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992) or an officer authorized by him to grant an authorisation including a duty credit scrip under the said Act.

[F.No.605/55/2014-DBK] SANJAY KUMAR, Under Secy.